फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 224 प्रभात जयपुर, शनिवार 18 मार्च , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The 100 Hundred Finale and the Broken Trust

Our eldest Bahu, Vatika started chanting Babu ji 'Kitne acche they' but quickly corrected herself into 'Kitne acche hain.'

Empowering Small Businesses in Jaipur

Insulin Doses Could Be More Accurate | Better insulin therapeutics can be developed

पश्चिमी नेपाल की पोखरा वैली में जब भी पेड़ों या चट्टानों पर ईजिप्शियन वल्चर (गिद्ध की एक प्रजाति) घोंसला बनाते दिख जाते हैं तो लोग अक्सर उन्हें कौआ समझ कर भगा देते हैं, कभी -कभी तो उनके घोंसले भी नष्ट कर देते हैं, इस विश्वास के कारण कि, ये पक्षी दुर्भाग्य लाते हैं। लेकिन, फिर भी, आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट के एन्डेन्जर्ड वर्ग में अधिसूचित ये पक्षी इंसानी बस्तियों के आसपास घर बनाते हैं। जर्नल ऑफ रैप्टर रिसर्च में छपे एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, इसका कारण इंसानी बस्ती के पास भोजन की उपलब्धता हो सकता है। शोध के लेखक तथा नेपाली कंज़र्वेशन रिसर्च एन.जी.ओ. हिमालयन नेचर के संदेश गुरूंग कहते हैं कि, इंसानों से निकटता के फायदे भी हैं और नुकसान भी। शोध के तहत गुरूंग और उनकी टीम ने पोखरा वैली में वल्चर के पूर्व चिन्हित संभावित नैस्टिंग एरिया को देखा, जहाँ साउथ एशिया की सभी नौ वल्चर तथा पक्षियों की 470 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। सन् 2012 से 2018 की अवधि में टीम ने प्रजननकाल (1 से 15 मार्च) और घोंसला निर्माण काल (5 से 20 मई) के बीच इन क्षेत्रों की निगरानी की। टीम ने पाया कि, ये पक्षी इंसानी बस्तियों के निकट छोटे टीलों पर घर बनाना पसंद करते हैं। टीम का मानना है कि, शायद अन्य पक्षियों, जैसे रॉक ईगल- आऊल, हाउस क्रो और लार्ज बिल्ड क्रो आदि से प्रतिस्पर्धा टालने के लिए वल्चर ऐसा करते हैं, क्योंकि, उपरोक्त पक्षी भी टीलों पर प्रजनन करते हैं। शोध लेखकों का कहना है कि, कम ऊंचाई पर छोटे टीलों पर प्रजनन करके ईजिप्शियन वल्चर भोजन की तलाश और बच्चों को पीठ पर लादकर उड़ने में खर्च होने वाली ऊर्जा बचाते हैं। साथ ही ऐसी जगहों पर इंसान आसानी से नहीं पहुँच पाते। लेकिन इंसानों से निकटता के इस पक्षी को नुकसान भी हैं। असल में अवयस्क वल्चर काले रंग के होते हैं इसलिए कुछ लोग इन्हें कौआ और दुर्भाग्य सूचक समझकर भगा देते हैं। आई.यू.सी.एन. के अनुसार ईजिप्शियन वल्चर की आबादी इसकी समस्त ज्ञात रेंज, सदर्न यूरोप से उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया तक में घट रही है। वर्ष 1999 के बाद से इनकी वैश्विक आबादी में 79 प्रतिशत कमी आ चुकी है।

गहलोत शनिवार चार बजे रहस्यमय यात्रा पर दिल्ली जायेंगे

रहस्यमय इसलिये मानी जा रही है यात्रा, क्योंकि, अभी तक कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे के साथ कोई मुलाकात तय नहीं हुई है। वैसे भी, शनिवार की शाम को चार बजे बाद, सभी सरकारी दफ्तर बन्द होने की वजह से कोई सरकारी काम होने की संभावनाएं नहीं हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कल (शुक्रवार) शाम चार बजे दिल्ली पहुंच रहे हैं। हालांकि वहां उनका कोई अधिकृत काम नहीं है पर उनकी इस दिल्ली यात्रा को गोपनीय रखा जा रहा है।

आज देर शाम तक मुख्यमंत्री की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कोई मुलाकात तय नहीं थी पर कल मुलाकात तय हो सकती है, लेकिन अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है।

विधानसभा चुनावों से पहले राजस्थान में 19 नए जिले बनाने की घोषणा करने से गहलोत को उम्मीद है कि वे भी वोटर्स को रिझा लेंगे जैसे कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने किया था। उन्होंने वहां 16 नए जिले घोषित किये थे जिससे तेलंगाना के जिलों की संख्या 33 हो गई थी उसके बाद उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनाव जीता था।

- यह जरूर माना जा रहा है कि, दिल्ली में गहलोत अपनी स्वयं की पीठ ठोकने और शाबाशी लेने आ रहे हैं, क्योंकि वे मान रहे हैं कि, 19 जिले बनाकर उन्होंने बहुत बड़ा तुरुप को पत्ता खेल दिया है, चुनाव से पहले।
- उन्होंने इस काम की प्रेरणा, तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव से ली है, जिन्होंने चुनाव से पूर्व 16 नये जिले बनाये थे, तथा, जिलों की कुल संख्या 33 पहुंचा दी थी। पर यह भी सच हैं कि, चन्द्रशेखर राव विधानसभा के चुनाव जीत भी गए थे। गहलोत, मान रहे हैं, नये जिले बनाकर वे भी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर लेंगे। अतः, पीठ थपथपाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया जायेगा दिल्ली में।
- पर, ऐसा लग रहा है कि, कुछ जल्दबाजी हो रही है। क्योंकि, दूसरी ओर, सरकार के खिलाफ फोन टैपिंग काण्ड में गहलोत के ओ.एस.डी. व अन्य कई वरिष्ठ अफसरों की जाँच पूरी हो चुकी हैं तथा दोषी करार किये जा सकते है। गहलोत भी अगर स्पष्ट रूप से इस प्रकरण में लिप्त बताये गये तो, सिरदर्द बढ़ेगा, शाबाशी फीकी पड़ सकती है।

मुख्यमंत्री सरकार की उपलब्धियाँ और योजनाओं के प्रचार-प्रसार में भारी धनराशि खर्च कर रहे हैं। कई चैनलों पर विज्ञापन दिखाये जा रहे हैं। जहां तक राष्ट्रीय चैनलों का प्रश्न है वे भी योगी और केजरीवाल की तरह भारी धनराशि खर्च कर रहे हैं।

गहलोत निस्संदेह ही अपनी पीठ थपथपाना चाहते हैं और मीडिया को बताना चाहते हैं कि बजट में उन्होंने जो घोषणाएं की थी उन्हें वे पूरा करने में लगे हुए हैं।

लेकिन इसी के साथ एक बुरी खबर भी गहलोत के इंतज़ार में है। उनके ओ.एस.डी. और सरकार के कई बड़े अफसरों का फोन टैपिंग मामले में पर्दाफाश होने वाला है। मामला अपने चरम पर पहुंच गया है। इसमें कुछ गिरफ्तारियां भी हो सकती है जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'छह दिन पहले अपहृत बालिका को अभी तक बरामद क्यों नहीं किया'

चूरू, 17 मार्च (कासं)। सर्व समाज के लोगों ने 6 दिन पहले अपहृत बालिका को बरामद करने के लिए भारी विरोध प्रदर्शन किया तथा कलैक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन सौंपा। सर्वसमाज के लोगों का आरोप है कि नाबालिग के अपहरण के 6 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। लोगों ने गुस्से में इंद्रमणि पार्क के पास रास्ता जाम कर दिया। उसके बाद लोगों ने

- सर्व समाज के लोगों ने जाम लगाकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

इस दौरान विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने कलैक्टर व पुलिस अधीक्षक से वार्ता की। प्रशासन ने शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण ने कहा कि अपहरणकर्त्ता पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश मिले ममता बनर्जी से कोलकाता में

दो हताश नेताओं की मृगमरीचिका की तलाश?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। मुश्किलों में फंसी ममता बनर्जी ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से आज कोलकाता में मुलाकात की। यह मुलाकात वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के विरूद्ध विपक्ष का एक राष्ट्रीय मोर्चा बनाने की उनकी उम्मीदों से पूर्व संकेत हो सकती है।

अखिलेश यादव की पार्टी अपनी कार्यकारी कमेटी को मीटिंग कोलकाता में आयोजित कर रही है, लेकिन अखिलेश की प्रमुख चुनावी नज़र मुस्लिम वोटों पर है, जो मुख्यत: ममता का भी लक्ष्य है। अखिलेश को उत्तर प्रदेश में जरूर भारी पराजय की उम्मीद होगी, इसीलिए वह बंगाल में अपनी पार्टी की येन केन प्रकारेण कोई उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं और यह बात ममता के हितों के विरूद्ध होगी।

भाजपा के खिलाफ विपक्ष की एक राष्ट्रीय स्तर की नेता बनने के मंसूबे पाले बैठी ममता कल ओडिशा जा रही हैं, जहाँ वह मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात करेंगी।

लेकिन जो काम पहले किया जाना चाहिए था, वास्तव में जगन्नाथपुरी जा रही है, जहाँ वह वर्ष 2024 की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए पूजा व प्रार्थना करेंगी। तथापि, रही बात अब की तो अखिलेश और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अखिलेश ने अपनी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की है कोलकाता में।
- पर, दिक्कत यह है कि, जिन मुस्लिम वोटों को अखिलेश ललचायी नज़रों से देख रहे हैं, वो, ममता का मूल वोट बैंक हैं।
- राष्ट्रीय नेता बनने की अपनी महत्वाकांक्षा से प्रेरित ममता, उड़ीसा रवाना हुईं, पटनायक से मिलकर गैर कांग्रेस विपक्ष की रणनीति को आगे बढ़ाने।
- दोनों का, अखिलेश व ममता के सोच का, मुख्य आधार है कांग्रेस विरोधी होना। दोनों ने विपक्ष की एकता में कांग्रेस को शामिल न करने का मन बना रखा है। पर, क्या यह विरोध दोनों को बहुत देर तक बांधे रख सकेगा?

फिरौती मांगने आए लॉरैंस के गुर्गे और पुलिस में फायरिंग

श्रीगंगानगर, 17 मार्च (निसं)। शहर के एक व्यापारी से फिरौती मांगने आए लॉरैंस गैंग के गुर्गे ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के घुटने पर गोली लगी, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया।

उसके घायल होते ही बाइक कच्चे रास्ते पर गिर गई। दो आरोपियों ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें पीछा कर पकड़ लिया। दो को कोतवाली थाने लाया गया जबकि

- पुलिस ने पीछाकर दो आरोपियों को पकड़ा, कोतवाली थाने लेकर आये।

घायल आरोपी को सरकारी अस्पताल में भर्ती गया है।

इस मामले में देर रात करीब नौ बजे एसपी परिस देशमुख से पत्रकारों को बताया कि फरवरी माह में शहर के एक प्रोपर्टी व्यापारी से गैंगस्टर लॉरैंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के नाम से फिरौती मांगी गई थी।

पुलिस टीम कोतवाली एसएचओ देवेंद्रसिंह के नेतृत्व में पंजाब की तरफ गई थी। उसे आरोपियों के श्रीगंगानगर की तरफ आने की जानकारी मिली।

'सोमवार से राहुल को संसद से निलम्बित करने की कार्यवाही शुरु होगी'

भाजपा के सांसद निशिकान्त दुबे ने लोकसभाध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा, वे राहुल की संसद की सदस्यता खत्म करने के लिए रूल 223 का उपयोग करें

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। जहाँ राहुल गांधी ने लन्दन पर भारतीय लोकतंत्र पर की गई अपनी टिप्पणियों के लिये क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को संसद की बैठक में लोकसभा से उनके निलम्बन के लिये इस आधार पर दबाव बनाने की रणनैतिक योजना बना ली है कि यह मामला "विशेषाधिकार से परे" है।

इससे पूर्व, विधिमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था, "राष्ट्र से जुड़ी कोई भी चीज सभी के लिये सरोकार का विषय होती है। हमें इस बात से कोई लेना-देना नहीं कि कांग्रेस या उसके नेतृत्व का क्या हो रहा है। लेकिन अगर वे देश का अपमान करते हैं तो हम चुप नहीं रह सकते।"

भाजपा सांसद निशिकान्त दुबे ने एक कदम और आगे बढ़कर, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिख दिया है कि किसी स्पेशल पार्लियामैंट्री कमेटी द्वारा राहुल की "अपमानजनक" टिप्पणियों की जाँच कराये जाने के बाद, "प्रॉसिजर एंड कन्डक्ट ऑफ बिजनेस" के नियम 223 के तहत, उन्हें सदन से निष्कासित कर दिया जाये।

उन्होंने कहा कि इस नियम का प्रयोग बहुत पहले, 1976 में राज्यसभा सदस्य डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी को सदन से निष्कासित करने के लिये किया गया था क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड, अमेरिका तथा केनाडा में भारत के विषय कुछ टिप्पणियाँ कर दी थीं। दुबे ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल ने, पहले नोटिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दुबे के अनुसार, 1976 में सुब्रमण्यम स्वामी को भी इसी रूल के तहत संसद से निस्कासित कर दिया गया था, क्योंकि स्वामी पर आरोप लगाया गया था कि, उन्होंने ब्रिटेन, अमेरिका व कनाडा में भारत के खिलाफ टिप्पणी की थी।

'पहले संसद से बाहर माफी मांगें, फिर सदन में बोलने दिया जायेगा'

भाजपा की इस मांग के जवाब में कांग्रेस ने अडानी-हिंडनबर्ग प्रकरण में जे.पी.सी. के गठन की डिमाण्ड रखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। आगामी विधानसभा चुनावों तथा 2024 के लोकसभा चुनावों की चुनावी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुये, दोनों ही राष्ट्रीय दल लडाई जारी रखने के लिए कृतसंकल्प प्रतीत हो रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों में कोई भी पहले झुकने को तैयार नहीं है।

जहाँ भाजपा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बढ़ती जा रही लोकप्रियता को धूमिल करने के लिए सारे उपलब्धन साधनों संसाधनों का उपयोग करते हुये, हर सम्भव तौर-तरीका काम में ले रही है तथा उन्हें लोकसभा की सदस्यता के लिये डिसक्वालिफाई करने की सीमा तक पहुंचने की कोशिश कर रही है तथा यौन-उत्पीडन के शिकार लोगों के बारे में कथित रूप से सूचना मांगने को लेकर उन्हें दिल्ली पुलिस से नोटिस भिजवाने के हथकंडे अपना रही है, वहीं कांग्रेस ने आज निर्णय ले लिया कि वह इस लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दरवाजे तक ले जायेगी तथा पार्टी "सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों" को लेकर विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश करने का मानस बना रही है।

हिन्डनबर्ग रिपोर्ट द्वारा किये गये खुलासे के बाद, प्रधानमंत्री मोदी और अडानी बिजनेसग्रुप की बीच जुड़ाव को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाये गये आरोपों से घिरी हुई भाजपा इस बिन्दु से जनता का ध्यान हटाने की युक्ति के अन्तर्गत, राहुल गांधी को एक ऐसे राष्ट्रद्रोही के रूप में प्रस्तुत करने की योजना बना ली है, जो विदेश की धरती पर राष्ट्र की छवि खराब कर रहा है। सारे संकेतों से ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा पूरी तरह आश्वस्त है कि उसके पास जनता की नजरों में कांग्रेस नेता की छवि को पूरी तरह खराब करने हर साधन मौजूद है।

संसद में चली अव्यवस्था के बीच, जिसके चलते दोनों सदन लगातार दूसरे दिन स्थगित रहे, भाजपा सूत्रों ने आज कहा कि जब तक राहुल गांधी लन्दन में भारतीय लोकतंत्र के विषय में की गई अपनी टिप्पणियों के लिये माफी नहीं माँगेंगे, भाजपा उन्हें लोकसभा में नहीं बोलने देगी।

संससद के दोनों सदन भाजपा की ओर से ओर से जोर-जोर से की जा रही नारेबाजी के बीच आज फिर से स्थगित कर दिये गये। भाजपा माँग कर रही थी कि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में उनके द्वारा की गई टिप्पणियों के लिये कांग्रेस सांसद राहुल गांधी माफी माँगे। उधर विपक्षी दल माँग कर रहे हैं कि अडानी-हिन्डनबर्ग विवाद की संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जाँच कराई जावें।

जैसे ही संसद में अव्यवस्था शुरू हुई, संसद की कार्यवाही की ऑडियो व्यवस्था बद कर दी ई। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुये राहुल गांधी के इस आरोप को दोहराया कि संसद में विपक्षी नेताओं के माइक्रोफोन बंद कर दिये जाते हैं।

कांग्रेस ने हिन्दी में ट्वीट किया, "पहले तो माइक ही बन्द किये जाते थे, आज तो सदन की कार्यवाही ही सुनाई देना बन्द हो गई। सदन को प्रधानमंत्री मोदी के मित्र की खातिर मूक कर दिया गया है।"

राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर जब से उपद्रव शुरू हुआ है, वे आज दूसरी बार लोकसभा में नजर आये लेकिन इससे पहले कि सदन की कोई कार्यवाही हो, सदन अगले सप्ताह तक के लिये स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने कहा है कि वे, उन पर लगाये गये आरोपों का जवाब सदन के अन्दर देना चाहते हैं लेकिन भाजपा इस बात पर अड़ी हुई है कि वे पहले माफी माँगें।

गांधी की टिप्पणी को "घोर आपत्ति एवं अपमानजनक" बताते हुये, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी को संसद में अपनी बात कहने की अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ए.बी.वी.पी. के छह छात्रनेता जमानत पर रिहा

जयपुर, 17 मार्च । राजस्थान विश्वविद्यालय में लॉ कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन के बाद

- राजस्थान विश्वविद्यालय के गेट पर मु.मंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाने के मामले में गिरफ्तार ए.बी.वी.पी. के छह छात्र नेताओं को शुक्रवार को अपर सैशन न्यायालय ने जमानत पर रिहा कर दिया।

विश्वविद्यालय के गेट पर मुख्यमंत्री के काफिले के आगे आकर काले झंडे दिखाने के मामले में गिरफ्तार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छह छात्र नेताओं को शुक्रवार को अपर सैशन न्यायालय ने जमानत पर रिहा कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)